बुधवार, 15 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

आयरलैंड दौरे के लिए बन सकते हैं सबसे युवा खिलाड़ी

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

बहनों की याद में हृदयनाथ मंगेशकर का बड़ा फैसला

Page-05

लखनऊ से निकली 'ब्रह्मोस' की गरज! अब हर साल 100 घातक मिसाइलें

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

भारत की सबसे घातक मिसाइलों में शामिल ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। लखनऊ में बने नए कारखाने से अब मिसाइलों की आपूर्ति शुरू हो गई है। इससे भारत की सेना और अधिक शक्तिशाली होने जा रही है।यह कारखाना उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अक्टूबर २०२५ में यहां पहली बार चार मिसाइलें तैयार की गई थीं और अब उनकी नियमित आपूर्ति भी शुरू हो चुकी है। इस कारखाने में हर साल लगभग ८० से १०० मिसाइलें बनाई जा सकेंगी।ब्रह्मोस मिसाइल की सबसे बड़ी खासियत इसकी तेज गति है। यह ध्वनि की गति से कई गुना तेज उड़ती है, जिससे दुश्मन को संभलने का बहुत कम समय मिलता है। इसे जमीन, समुद्र और आकाश—तीनों जगह से छोड़ा जा सकता है। इससे थल सेना, नौसेना और वायु सेना—तीनों को बड़ा फायदा मिलता है।पहले इसका निर्माण मुख्य रूप से हैदराबाद में होता था, लेकिन लखनऊ में नया कारखाना शुरू होने से उत्पादन क्षमता बढ़ गई है। अब मिसाइलें तेजी से बनेंगी और समय पर सेनाओं तक पहुंचेंगी।सरकार का आत्मनिर्भर भारत पर जोर भी साफ दिखाई देता है। अब इस मिसाइल में लगभग ७० प्रतिशत सामग्री देश में ही तैयार की जा रही है, जिससे विदेशों पर निर्भरता कम हो रही है।

लखनऊ टेरर केस में बड़ा फैसला! 3 दोषियों को उम्रकैद

पश्चिमी दिल्ली के निहाल विहार इलाके में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की एक बस के कई वाहनों से टकरा जाने से बड़ा हादसा हो गया। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक तेज रफ्तार डीटीसी बस नजफगढ़ की ओर से आ रही थी। इसी दौरान नजफगढ़-नांगलोई रोड पर बस ने कई लोगों और वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए।घटना से नाराज लोगों ने प्रदर्शन करते हुए दुर्घटनाग्रस्त बस को नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा भीड़ ने एक अन्य डीटीसी बस में आग भी लगा दी, जिससे स्थिति कुछ समय के लिए तनावपूर्ण हो गई।

सम्राट चौधरी बनेंगे पहले भाजपा मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक सहयोगी की भूमिका निभाने वाली भारतीय जनता पार्टी ने अब राज्य की कमान खुद संभालने का फैसला कर लिया है। पहली बार बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनने जा रहा है और यह जिम्मेदारी सम्राट चौधरी को सौंपी गई है।भाजपा विधायक दल की बैठक में सम्राट चौधरी के नाम पर मुहर लग चुकी है, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की बैठक में इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। उनके नाम के ऐलान से पहले ही उपेंद्र कुशवाहा ने उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।सम्राट चौधरी का जन्म 16 नवंबर 1968 को मुंगेर जिले के लखनपुर गांव में हुआ था। उनका वास्तविक नाम राकेश कुमार है और उन्हें राजनीति विरासत में मिली। उनके पिता शकुनी चौधरी बिहार के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते थे, जबकि माता पार्वती देवी भी राजनीति में सक्रिय रहीं।सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रीय जनता दल से की थी। वर्ष 1999 में उन्हें महज 31 वर्ष की उम्र में कृषि मंत्री बनाया गया, जिससे वे उस समय के सबसे युवा मंत्रियों में शामिल हो गए। हालांकि उनकी उम्र को लेकर विवाद भी हुआ, लेकिन इसी से उन्हें पूरे राज्य में पहचान मिली।बाद में उन्होंने नीतीश कुमार के साथ काम किया और वर्ष 2014 में जीतन राम मांझी सरकार में शहरी विकास मंत्री बने। समय के साथ उनके और नीतीश कुमार के बीच मतभेद बढ़ते गए।वर्ष 2017 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा, जो उनके राजनीतिक जीवन का बड़ा मोड़ साबित हुआ। पार्टी ने उन्हें पिछड़ा वर्ग के एक मजबूत नेता के रूप में आगे बढ़ाया।जब नीतीश कुमार ने गठबंधन बदलकर दूसरी पार्टी के साथ सरकार बनाई, तब सम्राट चौधरी ने सिर पर मुरैठा बांधकर संकल्प लिया कि जब तक नीतीश कुमार को सत्ता से नहीं हटाएंगे, तब तक पगड़ी नहीं उतारेंगे। बाद में राजनीतिक परिस्थितियां बदलीं और वे उपमुख्यमंत्री बने।वर्ष 2023 में उन्हें बिहार भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, जहां उन्होंने संगठन को मजबूत किया।

- **सम्राट चौधरी के नाम पर सहमति बन गई है, जिससे राज्य की सियासत में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।**
- **सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत राष्ट्रीय जनता दल से की थी और अब भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनकर बड़ा राजनीतिक मुकाम हासिल किया है।**

डेब्यू में तूफान! प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में झटके 3 विकेट

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

सनराइजर्स हैदराबाद ने राजस्थान रॉयल्स को आईपीएल 2026 के 21वें मैच में 57 रन से हरा दिया। यह मुकाबला राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेला गया, जहां हैदराबाद की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।मैच का सबसे बड़ा आकर्षण युवा गेंदबाज प्रफुल हिंगे रहे। उन्होंने अपने पहले ही मैच में कमाल करते हुए पहले ओवर में 3 विकेट लेकर इतिहास बना दिया। उनके इस प्रदर्शन से राजस्थान की टीम शुरुआत में ही दबाव में आ गई।पहले बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद ने बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में राजस्थान की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार विकेट गंवाती रही और अंत में 57 रन से मैच हार गई। इस मुकाबले में हैदराबाद ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में बेहतरीन खेल दिखाया। इस जीत के साथ टीम की स्थिति टूर्नामेंट में और मजबूत हो गई, जबकि राजस्थान को हार से बड़ा झटका लगा।

दिल्ली-देहरादून सफर अब सिर्फ 2.5 घंटे! एक्सप्रेसवे से बदलेगी यात्रा

- **यह आर्थिक गलियारा न केवल यात्रा को तेज और आरामदायक बनाएगा, बल्कि क्षेत्रीय विकास, पर्यटन और व्यापार को भी नई गति देगा। बेहतर संपर्क से परिवहन लागत में कमी आएगी और देश के प्रमुख उत्पादन व उपभोग केंद्रों के बीच आवाजाही और भी आसान हो जाएगी।**

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

दिल्ली से देहरादून तक का लंबा और थकाऊ सफर अब बेहद आसान होने जा रहा है। नए दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के शुरू होने के साथ ही यह दूरी, जो पहले करीब 6 घंटे में तय होती थी, अब सिर्फ ढाई घंटे में पूरी की जा सकेगी।करीब 213 किलोमीटर लंबा यह छह-लेन का अत्याधुनिक नियंत्रित प्रवेश वाला मार्ग लगभग 12,000 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई क्षेत्रों से होकर गुजरती है। खासतौर पर बागपत, बड़ौत, मुजफ्फरनगर, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों को इससे सीधा लाभ मिलेगा।इस एक्सप्रेसवे को कम से कम 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से यात्रा के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें 10 इंटरचेंज, 3 रेलवे ओवरब्रिज, 4 बड़े पुल और 12 वे-साइड सुविधाएं विकसित की गई हैं। यात्रियों की सुविधा और यातायात को सुचारु रखने के लिए उन्नत ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली भी लगाई गई है।पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना में विशेष इंतजाम किए गए हैं। इसमें 12 किलोमीटर लंबा ऊंचा वन्यजीव गलियारा बनाया गया है, जो एशिया के सबसे लंबे वन्यजीव गलियारों में से एक है।

तमिलनाडु में BJP का बड़ा दांव! महिलाओं को ₹2000 महीना

तमिलनाडु की राजनीति में चुनाव से पहले बड़ा दांव खेलते हुए भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 2000 देने का वादा किया है। पार्टी ने अपने चुनावी संकल्प पत्र में कई लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की है, जिनका उद्देश्य सीधे आम जनता, खासकर महिलाओं को लाभ पहुंचाना है।घोषणापत्र के अनुसार, हर परिवार की महिला मुखिया को 2000 प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही साल में तीन मुफ्त गैस सिलेंडर देने का भी वादा किया गया है, जिससे महंगाई का बोझ कम करने की कोशिश की गई है।पार्टी ने महंगाई से राहत के लिए हर परिवार को एकमुश्त 10,000 देने की योजना भी पेश की है। वहीं, महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने पर 25,000 की

कच्चा तेल बना 'महंगाई बम'! चुनाव खत्म होते ही पेट्रोल ₹18 और डीजल ₹35 तक महंगा होने की आशंका

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों का असर अब सीधे आम लोगों की जेब पर पड़ सकता है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म Macquarie Group की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अभी स्थिर हैं, लेकिन तेल कंपनियां भारी नुकसान झेल रही हैं। ऐसे में पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में चुनाव खत्म होने के बाद ईंधन के दाम बढ़ाए जा सकते हैं।रिपोर्ट के अनुसार, तेल कंपनियों को हर लीटर पेट्रोल पर करीब 18 और डीजल पर 35 का नुकसान हो रहा है। पिछले महीने जब कच्चे तेल की कीमतें अपने उच्च स्तर पर थीं, तब सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना लगभग 2,400 करोड़ का घाटा उठाना पड़ रहा था।

हालांकि एक्साइज ड्यूटी में 10 की कटौती के बाद यह नुकसान घटकर 1,600 करोड़ प्रतिदिन रह गया है। अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से प्रति लीटर नुकसान करीब 6 और बढ़ जाता है।भारत अपनी जरूरत का लगभग 88% कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें 45% मिडिल ईस्ट और 35% रूस से आता है। ऐसे में वैश्विक बाजार में कीमतें बढ़ने का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे देश का चालू खाता घाटा (CAD) 2026 की पहली तिमाही में बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।इसके अलावा, सरकार को मिलने वाला राजस्व भी प्रभावित हो रहा है। वित्त वर्ष 2017 में जहां एक्साइज ड्यूटी का योगदान 22% था, वह अब घटकर सिर्फ 8% रह गया है। यहां तक कि अगर सरकार पूरी एक्साइज ड्यूटी भी हटा दे, तब भी तेल कंपनियों का मौजूदा घाटा पूरी तरह खत्म नहीं होगा।वैश्विक स्तर पर भी ईंधन की कीमतों में तेजी देखी जा रही है।पड़ोसी देशों में भी पेट्रोल-डीजल महंगे हो चुके हैं।

पेरिस में भारत-फ्रांस की बड़ी कूटनीतिक बैठक

रणनीतिक रिश्तों को नई धार

पेरिस में भारत और फ्रांस के बीच उच्च स्तरीय वार्ता में रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और डिजिटल सहयोग पर चर्चा हुई। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने, जलवायु परिवर्तन, हिंद-प्रशांत और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने तथा पश्चिम एशिया और यूक्रेन के हालात पर विचार-विमर्श किया।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पेरिस में भारत और फ्रांस के बीच उच्च स्तरीय वार्ता आयोजित की गई, जिसमें दोनों देशों ने रक्षा, नागरिक परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी बढ़ती रणनीतिक साझेदारी की व्यापक समीक्षा की। यह बैठक ऐसे समय में हुई जब पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है, और यही मुद्दा भी इस वार्ता के प्रमुख एजेंडे में शामिल रहा। यह बैठक भारत-फ्रांस विदेश कार्यालय परामर्श तंत्र के तहत आयोजित की गई, जिसमें भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और फ्रांस के विदेश मंत्रालय के महासचिव मार्टिन ब्रिएन्स ने भाग लिया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की और भविष्य में संबंधों को और मजबूत बनाने के लिए संभावित नए अवसरों पर विचार-विमर्श किया।अपनी यात्रा के दौरान, विक्रम मिसरी ने फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट और फ्रांसीसी राष्ट्रपति के राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बोन से भी मुलाकात की। इन बैठकों में द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी गहन चर्चा हुई। गौरतलब है कि फ्रांस की यह यात्रा मिसरी की अमेरिका की तीन दिवसीय यात्रा के तुरंत बाद हुई, जो भारत की सक्रिय कूटनीतिक पहल को दर्शाती है। भारत के विदेश मंत्रालय (MEA) के अनुसार, दोनों देशों ने अपने संबंधों में हुई प्रगति की समीक्षा की, खासकर उस संदर्भ में जब भारत-फ्रांस संबंधों को "विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी" का दर्जा दिया गया है। इस समीक्षा में इस वर्ष की शुरुआत में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन की भारत यात्रा के परिणामों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। उस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते और सहयोग के नए आयाम सामने आए थे, जिन पर अब आगे बढ़ने की दिशा तय की जा रही है।बैठक में केवल द्विपक्षीय मुद्दों तक ही चर्चा सीमित नहीं रही, बल्कि वैश्विक और क्षेत्रीय चुनौतियों पर भी गंभीर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जैसे अहम विषयों पर सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ती गतिविधियों और वहां की सामरिक स्थिति पर भी दोनों देशों ने अपने विचार साझा किए।भारत और फ्रांस ने त्रिपक्षीय संवाद को आगे बढ़ाने, तीसरे देशों में संयुक्त विकास परियोजनाओं को लागू करने और वैश्विक स्थिरता में योगदान देने पर भी जोर दिया। पश्चिम एशिया और यूक्रेन में चल रहे घटनाक्रमों पर भी दोनों देशों के बीच विस्तृत चर्चा हुई, जिससे यह स्पष्ट होता है कि दोनों देश वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए मिलकर काम करने के इच्छुक हैं।कुल मिलाकर, यह उच्च स्तरीय वार्ता भारत और फ्रांस के बीच गहरे होते संबंधों और साझा वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जो आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इटली ने इज़राइल रक्षा समझौता निलंबित किया

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान ने बहरीन, सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन से अमेरिका-ईरान के आक्रमण को 'समर्थन' देने के लिए मुआवजे की मांग की है। ईरान के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष जमाल फारेस अलरोवाई को पत्र लिखकर पांच अरब देशों की मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में ये देश ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 (आत्मरक्षा का अधिकार) का हवाला नहीं दे सकते, क्योंकि उन्होंने अमेरिका-इजराइल के आक्रमण को बढ़ावा दिया था। समाचार एजेंसियों के मुताबिक, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने मंगलवार को इज़राइल के साथ इटली के रक्षा समझौते को निलंबित करने की घोषणा की, जिसमें सैन्य उपकरणों और प्रौद्योगिकी अनुसंधान का आदान-प्रदान शामिल है। इटली की समाचार एजेंसी अंसा के अनुसार, वेरोना में एक कार्यक्रम के दौरान मेलोनी ने कहा कि मौजूदा हालात को देखते हुए, सरकार ने इज़राइल के साथ रक्षा समझौते के स्वतः नवीनीकरण को निलंबित करने का फैसला किया है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने मंगलवार को कहा कि देश इजरायल के साथ रक्षा समझौते को निलंबित कर रहा है। इससे पहले, मेलोनी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को समाप्त करने के लिए शांति वार्ता जारी रखना महत्वपूर्ण है, साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर भी विचार किया जा रहा है।

ब्रह्मोस मिसाइल उत्पादन में बड़ी छलांग,

सालाना 100 यूनिट तक क्षमता

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत की प्रमुख सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस मिसाइल को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, लखनऊ स्थित ब्रह्मोस निर्माण इकाई से अब मिसाइलों की नियमित डिलीवरी शुरू हो चुकी है। यह प्लांट उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का हिस्सा है, जिसे देश में रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विकसित किया गया है। जानकारी के अनुसार, अक्टूबर 2025 में इस प्लांट से पहली बार चार ब्रह्मोस मिसाइलों का बैच तैयार किया गया था। अब यहां से नियमित रूप से मिसाइलों की सप्लाई शुरू हो गई है। इस उत्पादन केंद्र की वार्षिक क्षमता लगभग 80 से 100 मिसाइलें तैयार करने की बताई जा रही है, जिससे भारतीय सेनाओं को तेज़ आपूर्ति सुनिश्चित होगी। ब्रह्मोस मिसाइल अपनी अत्याधुनिक तकनीक और सुपरसोनिक गति के लिए जानी जाती है। इसे जमीन, समुद्र और हवा तीनों प्लेटफॉर्म से लॉन्च किया जा सकता है, जिससे यह भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना तीनों के लिए एक महत्वपूर्ण हथियार प्रणाली बन जाती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, पहले इस मिसाइल का उत्पादन मुख्य रूप से हैदराबाद और अन्य केंद्रों पर होता था, लेकिन लखनऊ में नए प्लांट के शुरू होने से उत्पादन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इससे न केवल सेनाओं की आपूर्ति मजबूत होगी, बल्कि सप्लाई चेन भी अधिक प्रभावी बनेगी।

चीन की अर्थव्यवस्था पर बढ़ा दबाव

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

चीन की अर्थव्यवस्था पर ईरान से जुड़े युद्ध जैसे हालात और वैश्विक तनाव का असर साफ नजर आने लगा है। मार्च महीने में चीन के निर्यात की रफ्तार अपेक्षा से धीमी रही, जबकि आयात में अप्रत्याशित रूप से भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। हॉर्मुज जलडमरूमध्य में बढ़ती अस्थिरता के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव पड़ा है, जिससे कच्चे माल और ऊर्जा की कीमतों में तेज उछाल आया है। चीन के सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में देश का निर्यात सालाना आधार पर 2.5 प्रतिशत बढ़कर 321.03 अरब डॉलर रहा, जो अर्थशास्त्रियों के 4 प्रतिशत के अनुमान से कम है। दूसरी ओर, आयात में 27.8 प्रतिशत की बड़ी वृद्धि दर्ज की गई और यह 269.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। यह बढ़ोतरी नवंबर 2021 के बाद सबसे अधिक मानी जा रही है। हालांकि, इस दौरान चीन का व्यापार अधिशेष 51.1 अरब डॉलर रहा, जो दर्शाता है कि निर्यात अभी भी आयात से अधिक है। आयात में

आई इस तेज वृद्धि के पीछे मुख्य कारण कच्चे माल की बढ़ती कीमतें हैं। उदाहरण के तौर पर, तांबे के आयात की कीमतों में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 67 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि उसकी वास्तविक मात्रा में केवल 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसी प्रकार, अनगढ़े तांबे और उससे बने उत्पादों की वैल्यू में 21 प्रतिशत का इजाफा हुआ, जबकि आयातित मात्रा में गिरावट दर्ज की गई। इससे स्पष्ट है कि चीन को कम मात्रा में सामान के लिए भी अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है।

जेडी वैंस का सख्त संदेश

परमाणु क्षमता पर नहीं कोई समझौता

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के साथ चल रही बातचीत पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वाशिंगटन ने अपनी "रेड लाइन" तय कर दी है और ईरान को अपना समृद्ध यूरेनियम भंडार सौंपना होगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में वैंस ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने अपनी प्रमुख मांगें साफ कर दी हैं। अमेरिका का मानना है कि ईरान ने अपने संवर्धित यूरेनियम को भूमिगत सुविधाओं में छिपाकर रखा है, जिसे लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है। हालांकि ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु हथियार विकसित करने का कोई इरादा नहीं है, लेकिन अमेरिका इस पर भरोसा करने के बजाय सख्त सत्यापन चाहता है।वैंस ने कहा कि ट्रंप का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन की ऐसी क्षमता न बचे, जिसका उपयोग भविष्य में परमाणु हथियार बनाने के लिए किया जा सके। उन्होंने दो टूक कहा कि ईरान को कभी भी परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं

दी जाएगी। इस बीच, इस्लामाबाद में हुई हालिया बातचीत को लेकर वैंस ने कहा कि इसमें कुछ सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने माना कि ईरान ने कुछ मामलों में अमेरिका की दिशा में कदम बढ़ाए हैं, लेकिन अभी यह पर्याप्त नहीं है। उनके अनुसार, बातचीत आगे भी जारी रह सकती है और आने वाले समय में और बैठकों की संभावना है। वैंस ने यह भी स्पष्ट किया कि अब आगे की प्रक्रिया काफी हद तक ईरान के रुख पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, "गेंद अब ईरान के पाले में है," क्योंकि अमेरिका पहले ही अपनी शर्तें स्पष्ट कर चुका है और इस मुद्दे पर काफी दांव लगा चुका है। कुल मिलाकर, अमेरिका और ईरान के बीच यह कूटनीतिक तनाव अभी खत्म होता नजर नहीं आ रहा है, लेकिन बातचीत के जरिए समाधान की कोशिशें जारी हैं।

संपादक की कलम से

बदलती दुनिया के बीच एक ऐसा मुद्दा है जो हर देश और समाज के भविष्य को सीधे प्रभावित कर रहा है—जलवायु परिवर्तन। विकास की दौड़ में इंसान ने प्रकृति के साथ जिस तरह का व्यवहार किया है, उसका परिणाम अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगा है। बढ़ता तापमान, अनियमित वर्षा, ग्लेशियरों का पिघलना और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती आवृत्ति इस संकट की गंभीरता को दर्शाते हैं। जलवायु परिवर्तन अब केवल वैज्ञानिकों या पर्यावरणविदों का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह आम जनता के जीवन से जुड़ा हुआ मुद्दा बन चुका है। किसानों की फसलें प्रभावित हो रही हैं, शहरों में प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है और जल संकट लगातार गहराता जा रहा है। इन परिस्थितियों में यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या विकास की हमारी वर्तमान दिशा सही है? भारत जैसे विकासशील देश के लिए यह चुनौती और भी जटिल है। एक ओर आर्थिक विकास की जरूरत है, तो दूसरी ओर पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी भी। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि विकसित देशों ने पहले ही पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर प्रगति हासिल की है, इसलिए अब विकासशील देशों को भी वही रास्ता अपनाने का अधिकार है। लेकिन यह सोच लंबे समय में विनाशकारी साबित हो सकती है। सरकारों ने इस दिशा में कई पहलें की हैं, जैसे नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करना और प्लास्टिक उपयोग को कम करने के प्रयास। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेरिस समझौता जैसे समझौते भी हुए हैं, जिनका उद्देश्य वैश्विक तापमान को नियंत्रित करना है। हालांकि, इन प्रयासों का प्रभाव तभी दिखेगा जब इन्हें ईमानदारी से लागू किया जाए।इस मुद्दे का एक महत्वपूर्ण पहलू जनभागीदारी भी है। केवल सरकारों के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे, जब तक आम लोग अपनी जीवनशैली में बदलाव नहीं लाते। ऊर्जा की बचत, पानी का सही उपयोग, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल और पेड़-पौधे लगाना जैसे छोटे-छोटे कदम भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। संपादकीय दृष्टिकोण से देखा जाए तो जलवायु परिवर्तन को लेकर अब "सोचने" का नहीं, बल्कि "करने" का समय है। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना ही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अंततः, यह समझना जरूरी है कि पृथ्वी केवल हमारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की भी है। यदि हम इसे सुरक्षित और संतुलित नहीं रख पाए, तो हमारी सारी उपलब्धियां बेकार साबित होंगी। इसलिए, जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हमारी जिम्मेदारी है।

महिला आरक्षण पर पीएम मोदी का बड़ा संदेश

संसद सत्र से पहले लिखी चिट्ठी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं को पत्र लिखकर विधायिकाओं में महिला आरक्षण लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने अंबेडकर को श्रद्धांजलि देते हुए महिलाओं के बढ़ते योगदान का उल्लेख किया और कहा कि देश के विकास व मजबूत लोकतंत्र के लिए राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

नरेंद्र मोदी ने देशभर की महिलाओं को संबोधित करते हुए एक भावपूर्ण पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने विधायी निकायों में महिला आरक्षण के महत्व को रेखांकित किया और लंबे समय से लंबित इस सुधार को जल्द लागू करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि भारत की महिलाएं इस पहल का व्यापक रूप से स्वागत कर रही हैं और सरकार इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है। प्रधानमंत्री का यह पत्र संसद के एक अहम सत्र से ठीक पहले सामने आया है, जिसमें सरकार महिला आरक्षण कानून से जुड़े संवैधानिक संशोधन को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। यह कदम देश की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री ने स्पष्ट संकेत दिया है कि सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना चाहती है।14 अप्रैल को लिखे गए इस पत्र की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अंबेडकर को राष्ट्र निर्माण का आधार स्तंभ बताते हुए कहा कि उनके द्वारा स्थापित संवैधानिक मूल्यों से भारत आज भी प्रेरणा लेता है। प्रधानमंत्री ने लिखा कि 14 अप्रैल भारत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण दिन है, जो हमें समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने महिलाओं के बढ़ते योगदान का भी विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज भारत की महिलाएं स्टार्टअप, विज्ञान, शिक्षा, कला, खेल और जमीनी स्तर के उद्यम जैसे कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप की बढ़ती संख्या, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महिला खिलाड़ियों की उपलब्धियां और स्वयं सहायता समूहों की सफलता को उन्होंने देश के बदलते सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य का प्रतीक बताया। विशेष रूप से "लखपति दीदी" जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि महिलाओं का यह बढ़ता योगदान स्वाभाविक रूप से उन्हें अधिक राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की आवश्यकता को मजबूत करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है, तो निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। उनके अनुसार, विधायिकाओं में महिलाओं की भागीदारी न केवल लोकतंत्र को मजबूत करेगी, बल्कि नीति निर्माण में संतुलन और समावेशिता भी लाएगी। प्रधानमंत्री ने अपने पत्र में यह स्पष्ट किया कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केवल सामाजिक और आर्थिक अवसर पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि उन्हें राजनीतिक स्तर पर भी समान अवसर मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह समय है जब देश को इस लंबे समय से लंबित मुद्दे को निर्णायक रूप से लागू करना चाहिए।कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री का यह पत्र महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। यह न केवल महिलाओं को प्रेरित करने वाला संदेश है, बल्कि आने वाले समय में महिला आरक्षण कानून को लेकर राजनीतिक सहमति बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

महाराष्ट्र में रिक्शा-टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा अनिवार्य, 1 मई से लागू होगा नया नियम

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रताप सरनाइक ने मंगलवार को घोषणा की कि महाराष्ट्र में 1 मई से सभी लाइसेंसधारी रिक्शा और टैक्सी चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य होगा। यह नियम महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर लागू किया जाएगा और इसे सख्ती से लागू कराने के लिए मोटर परिवहन विभाग राज्यव्यापी अभियान चलाएगा। मंत्री ने कहा कि नए नियम के तहत सभी चालकों को मराठी भाषा पढ़ने, लिखने और समझने की बुनियादी क्षमता होनी चाहिए। इसके लिए राज्य के 59 क्षेत्रीय और उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों के माध्यम से निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाएगा कि चालक स्थानीय भाषा का उपयोग करने में सक्षम हैं या नहीं।सरनाइक ने चेतावनी दी कि जिन लाइसेंसधारी चालकों को मराठी का आवश्यक ज्ञान नहीं होगा, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उनके लाइसेंस रद्द किए जा सकते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि लाइसेंस जारी करने के लिए स्थानीय भाषा का ज्ञान पहले से ही नियमों में शामिल है, लेकिन इसका पालन ठीक से नहीं किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग को विशेष रूप से मुंबई महानगर क्षेत्र, छत्रपति संभाजी नगर और नागपुर जैसे शहरों से शिकायतें मिली हैं, जिनमें यात्रियों ने आरोप लगाया है कि कुछ चालक मराठी में संवाद करने में असमर्थ या अनिच्छुक रहते हैं। मंत्री ने कहा कि जिस राज्य में व्यक्ति व्यवसाय करता है, वहां की भाषा सीखना उसका दायित्व है। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभाषा पर गर्व करना जरूरी है, लेकिन स्थानीय भाषा का सम्मान और उपयोग भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह अभियान केवल चालकों तक सीमित नहीं रहेगा। यदि परिवहन विभाग के अधिकारी नियमों की अनदेखी करते हुए गलत तरीके से लाइसेंस जारी करते पाए जाते हैं, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार का उद्देश्य नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना और यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान करना है।

महंगाई और कम वेतन से जूझ रहे मजदूर

राहुल गांधी ने उठाए सवाल

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राहुल गांधी ने मंगलवार को नोएडा में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे कारखाना श्रमिकों के समर्थन में बयान दिया। उन्होंने इस आंदोलन को देश के श्रमिक वर्ग की "आखिरी पुकार" बताते हुए केंद्र सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल उठाए। नोएडा में सोमवार को वेतन वृद्धि की मांग को लेकर बड़ी संख्या में श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान कुछ स्थानों पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई और आगजनी तथा तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आईं। इसके बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने हालात को नियंत्रित किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट साझा करते हुए कहा कि मजदूर वर्ग लगातार बढ़ती महंगाई और कम वेतन के कारण गहरे आर्थिक दबाव में जी रहा है। उन्होंने दावा किया कि नोएडा में एक श्रमिक की औसत मासिक आय लगभग 12,000 रुपये है, जबकि किराया 4,000 से 7,000 रुपये तक पहुंच जाता है। ऐसे में मामूली वेतन वृद्धि भी महंगाई के सामने टिक नहीं पाती।उन्होंने यह भी कहा कि गैस, किराया और दैनिक जरूरतों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, जिससे श्रमिक परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और नीतिगत फैसलों का सबसे अधिक असर मजदूरों पर पड़ रहा है, जबकि अन्य वर्गों पर इसका प्रभाव सीमित दिखाई देता है। अपने बयान में उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में लागू किए गए श्रम कानूनों का भी उल्लेख किया और कहा कि इससे काम के घंटे बढ़ने की आशंका है, जो श्रमिकों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि जो मजदूर 12-12 घंटे काम करते हैं, वे भी अपने परिवार की बुनियादी जरूरतें पूरी करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने अंत में कहा कि श्रमिकों की ₹20,000 मासिक वेतन की मांग किसी भी तरह से अनुचित नहीं है, बल्कि यह उनके जीवनयापन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वह देश के सभी श्रमिकों के साथ खड़े हैं, जिन्हें उन्होंने "भारत की रीढ़" बताया।

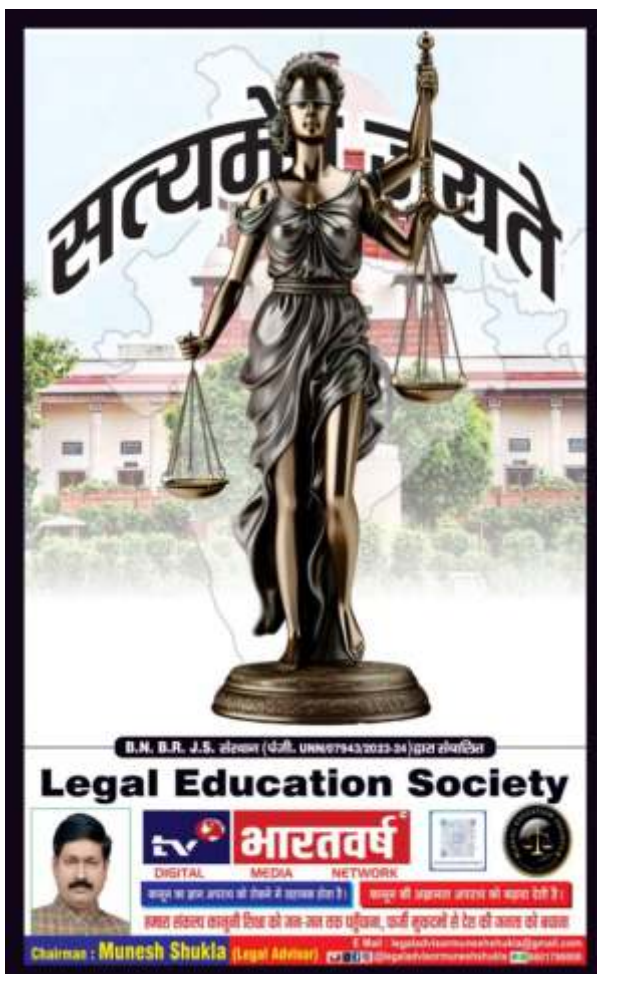

चुनाव बाद बढ़ सकते हैं दाम
तेल कंपनियों पर बढ़ा घाटे का दबाव

कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर अब भारत में भी दिखने की संभावना है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म मैक्वायरी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यदि यही रुझान जारी रहा तो देश में पेट्रोल की कीमतें करीब 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 35 रुपये प्रति लीटर तक महंगा हो सकता है। फिलहाल अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगे कच्चे तेल के बावजूद घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों को स्थिर रखा गया है, जिससे तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा समय में तेल कंपनियों को प्रति लीटर पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये और डीजल पर करीब 35 रुपये का घाटा हो रहा है। पिछले महीने जब कच्चे तेल की कीमतें अपने चरम पर थीं, तब देश की तीन प्रमुख तेल विपणन कंपनियां प्रतिदिन लगभग 2,400 करोड़ रुपये तक का नुकसान झेल रही थीं। हालांकि, सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपये की कटौती किए जाने के बाद यह घाटा घटकर करीब 1,600 करोड़ रुपये प्रतिदिन रह गया है। कच्चे तेल की कीमत में हर 10 डॉलर की वृद्धि से कंपनियों का नुकसान लगभग 6 रुपये प्रति लीटर बढ़ जाता है। भारत अपनी कुल जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें से करीब 45 प्रतिशत मिडिल ईस्ट और 35 प्रतिशत रूस से आता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उतार-चढ़ाव का सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें न केवल तेल कंपनियों के लिए चुनौती हैं, बल्कि इससे देश के चालू खाता घाटे (CAD) पर भी दबाव बढ़ रहा है। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह घाटा बढ़कर 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है।सरकारी राजस्व के लिहाज से भी पेट्रोलियम उत्पादों पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी का योगदान लगातार घट रहा है। वित्त वर्ष 2017 में जहां यह योगदान करीब 22 प्रतिशत था, वहीं अब घटकर लगभग 8 प्रतिशत रह गया है। जानकारों का मानना है कि यदि सरकार पूरी तरह से एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तब भी मौजूदा हालात में तेल कंपनियों का नुकसान पूरी तरह समाप्त नहीं होगा। वैश्विक परिदृश्य पर नजर डालें तो अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत अगस्त 2022 के बाद पहली बार 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई है। वहीं पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका जैसे पड़ोसी देशों में भी ईंधन के दामों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतों का निर्धारण अब सरकार नहीं, बल्कि तेल कंपनियां करती हैं। 26 जून 2010 से पेट्रोल और 19 अक्टूबर 2014 से डीजल की कीमतों को बाजार के हवाले कर दिया गया है। वर्तमान में कंपनियां अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत, डॉलर-रुपया विनिमय दर, टैक्स और परिवहन लागत जैसे कई कारकों को ध्यान में रखकर रोजाना ईंधन की कीमत तय करती हैं।

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में आयुष शेट्टी का कमाल, जीता सिल्वर

बैडमिंटन एशियन चैंपियनशिप में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया है। हालांकि, फाइनल मुकाबले में उन्हें चीन के दिग्गज खिलाड़ी शी यू क्यूई के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जिसके चलते वे गोल्ड मेडल से चूक गए।निंगबो ओलंपिक सेंटर में खेले गए फाइनल मैच में दुनिया के मौजूदा चैंपियन शी यू क्यूई ने आयुष शेट्टी को सीधे सेटों में 21-8, 21-10 से हराया। इस मुकाबले में आयुष अपने प्रतिद्वंद्वी के सामने संघर्ष करते नजर आए, लेकिन अनुभव और खेल कौशल के मामले में चीनी खिलाड़ी भारी पड़े।मैच के बाद आयुष शेट्टी ने अपने प्रदर्शन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट रहा और पूरे प्रतियोगिता में उन्होंने जिस तरह का खेल दिखाया, उससे वे काफी खुश हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि फाइनल में हार से निराशा जरूर हुई, क्योंकि वे जीत के साथ टूर्नामेंट खत्म करना चाहते थे, लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को बेहतर खिलाड़ी बताते हुए उन्हें श्रेय दिया।20 वर्षीय आयुष, जो वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 25वें स्थान पर हैं, ने इस टूर्नामेंट में कई कठिन मुकाबले जीतकर फाइनल तक का सफर तय किया। उनकी इस उपलब्धि ने भारतीय बैडमिंटन को नई उम्मीद दी है। खास बात यह है कि वे साल 2018 में एचएस प्रणॉय के बाद बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी बन गए हैं।सिल्वर मेडल जीतने के बाद आयुष ने कहा कि यह उपलब्धि उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी और वे भविष्य में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बनने के लिए और मेहनत करेंगे। उनका यह प्रदर्शन आने वाले टूर्नामेंट्स के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी पर नजर
आयरलैंड दौरे के लिए बन सकते हैं सबसे युवा खिलाड़ी

विजडन 2026 में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा, 9 में से 7 अवॉर्ड अपने नाम

विजडन अल्मनैक 2026 अवाइर्स में भारतीय क्रिकेटरों का दबदबा देखने को मिला है। इस साल दिए गए कुल 9 प्रमुख पुरस्कारों में से 7 भारतीय खिलाड़ियों के नाम रहे, जो भारतीय क्रिकेट के शानदार प्रदर्शन को दर्शाता है।इस प्रतिष्ठित सूची में दीप्ति शर्मा को वर्ष की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर चुना गया, जबकि अभिषेक शर्मा को वर्ष का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर घोषित किया गया। दीप्ति शर्मा को यह सम्मान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मिला, जिसमें उन्होंने आईसीसी महिला वनडे विश्व कप में 22 विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा उन्होंने 9 मैचों में 215 रन भी बनाए, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल रहे।वहीं, अभिषेक शर्मा ने 2025 सीजन में अपने दमदार खेल से सभी को प्रभावित किया। उन्होंने 21 मैचों में 859 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 193 का रहा। इस दौरान उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक भी लगाए।विजडन द्वारा चुने गए वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को शामिल किया गया है। इन खिलाड़ियों ने पिछले साल इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। खासतौर पर भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने 754 रन बनाकर टीम को सीरीज 2-2 से बराबरी पर लाने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय खिलाड़ियों के अलावा मिचेल स्टार्क को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया, जबकि इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद को भी वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों की सूची में शामिल किया गया।कुल मिलाकर, विजडन अल्मनैक 2026 में भारतीय क्रिकेटरों की यह उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी मजबूत उपस्थिति और निरंतर बेहतर प्रदर्शन का प्रमाण है।

पहले ही मैच में छा गए प्रफुल्ल क्रिकेट जगत में नई पहचान

इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए डेब्यू करते हुए युवा गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में प्रफुल्ल ने अपने पहले ही मैच में घातक गेंदबाजी करते हुए दो ओवर में मात्र छह रन देकर चार विकेट झटके और टीम की 57 रन की जीत में अहम भूमिका निभाई। प्रफुल्ल की इस उपलब्धि से उनके पिता प्रकाश हिंगे बेहद खुश हैं, लेकिन उन्होंने अपनी खुशी को संयमित अंदाज में व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उन्हें यह भी नहीं पता था कि उनका बेटा इस मैच में खेलेगा या नहीं। जब मैच का प्रसारण शुरू हुआ, तभी टीवी पर देखकर उन्हें पता चला कि प्रफुल्ल डेब्यू कर रहा है। इसके बाद जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, उनकी खुशी भी बढ़ती गई। नागपुर निवासी प्रकाश हिंगे ने बताया कि प्रफुल्ल को बचपन से ही क्रिकेट में रुचि थी। करीब 13 साल की उम्र में उन्होंने बेटे को स्थानीय जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया, जहां से उसके क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई। बाद में वह विदर्भ की अंडर-16 टीम में शामिल हुआ और फिर लगातार आगे बढ़ता चला गया। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज प्रशांत वैद्य की सलाह पर प्रफुल्ल को एमआरएफ पेस फाउंडेशन भेजा गया, जहां उसकी प्रतिभा को निखारा गया। यहां कोच एम सेंथिलनाथन और वरुण आरोन ने उसकी गेंदबाजी पर काम किया। इस दौरान वह पीठ की चोट से भी जूझा, लेकिन मेहनत और सही मार्गदर्शन से उसने वापसी की। प्रकाश हिंगे ने कोचों और मेंटर्स का आभार जताते हुए कहा कि बेटे की इस सफलता में उनका बड़ा योगदान है।

IPL 2026 शेड्यूल में बड़ा बदलाव, दो मैचों के वेन्यू बदले

आईपीएल 2026 के शेड्यूल में अहम बदलाव किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव को देखते हुए दो मुकाबलों के वेन्यू और समय में परिवर्तन की घोषणा की है। इस बदलाव का सीधा असर चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले मैचों पर पड़ा है।पहले 26 अप्रैल 2026 को चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला अहमदाबाद में आयोजित होना था, लेकिन नगर निगम चुनाव के कारण अब इस मैच का वेन्यू बदल दिया गया है। बीसीसीआई के अनुसार, यह मैच अब चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। साथ ही मैच का समय दोपहर 3:30 बजे निर्धारित किया गया है। वहीं, दूसरी ओर 21 मई 2026 को होने वाले मुकाबले में भी बदलाव किया गया है। यह मैच पहले चेन्नई में खेला जाना था, लेकिन अब इसका वेन्यू बदलकर अहमदाबाद कर दिया गया है। अब 21 मई को चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि यह बदलाव स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए किया गया है, ताकि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा या सुरक्षा संबंधी समस्या से बचा जा सके। नगर निगम चुनाव जैसे बड़े आयोजन के दौरान पुलिस और प्रशासनिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव रहता है, जिसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।फिलहाल आईपीएल 2026 के शेड्यूल में इन दो मुकाबलों के अलावा किसी अन्य मैच में बदलाव नहीं किया गया है। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह बदलाव जरूर महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उनके

यात्रा और मैच देखने की योजनाओं पर असर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, बीसीसीआई का यह कदम दर्शाता है कि वह खेल के साथ-साथ प्रशासनिक और सुरक्षा पहलुओं को भी गंभीरता से लेता है। अब सभी की नजर इन दोनों टीमों के मुकाबलों पर होगी, जो नए वेन्यू पर भी उतने ही रोमांचक होने की उम्मीद है।

फिजियोथेरेपिस्ट ने चुना स्वदेश वापसी का रास्ता

यूके की 40 लाख की नौकरी और 'जेल' जैसा अहसास

विदेश में नौकरी को अक्सर 'ड्रीम जॉब' माना जाता है, खासतौर पर अमेरिका, यूरोप और ब्रिटेन जैसे देशों में. लेकिन क्या वहां की जिंदगी सच में उतनी ही बेहतरीन होती है, जितनी दूर से दिखाई देती है? इसी सवाल के बीच एक कहानी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जो लोगों को सोचने पर मजबूर कर रही है. यह कहानी है फिजियोथेरेपिस्ट मानव शाह की, जिन्होंने UK में करीब 40 लाख रुपये सालाना की नौकरी हासिल की थी. करियर की शुरुआत शानदार थी, सब कुछ ठीक चलता हुआ नजर आ रहा था, लेकिन अंदर ही अंदर उन्हें कुछ कमी महसूस होने लगी थी. ⊙

दक्षिण कोरिया के स्कूलों का खाना हुआ वायरल

फाइव स्टार होटल जैसा 'स्कूल लंच'

दक्षिण कोरिया के स्कूलों में मिलने वाला लंच इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल है. वायरल वीडियो में दिखाया गया है कि वहां बच्चों के लिए रोजाना किस तरह का खाना तैयार किया जाता है और किस तरह सफाई व पोषण का खास ध्यान रखा जाता है. वीडियो में किचन की पूरी प्रक्रिया स्टेप-बाय-स्टेप नजर आती है. बड़े-बड़े स्टील के बर्तनों और ट्रे में ताजी सब्जियां, चावल, सूप, प्रोटीन (मांस/मछली/टोफू), किमची और अन्य साइड डिशेस को सलीके से तैयार किया जा रहा है. इसके बाद कंपार्टमेंट वाली ट्रे में एक-एक कर पूरा बैलेंस्ड मील सजाया जाता है, जिसमें चावल, मुख्य व्यंजन, 2-3 सब्जियां, सूप, सलाद और किमची शामिल होते हैं. किचन स्टाफ मास्क और ग्लव्स पहने बेहद साफ-सुथरे और तेज तरीके से हर ट्रे को बराबर मात्रा में भरते हैं, जिससे पूरा प्रोसेस प्रोफेशनल दिखता है. खाने की प्रेजेंटेशन भी काफी रंग-बिरंगी और आकर्षक है.हरा, लाल, सफेद और नारंगी रंग इसे बच्चों के लिए और लुभावना बनाते हैं. सबसे खास बात यह है कि सैकड़ों बच्चों के लिए एक साथ सैकड़ों ट्रे तैयार हो रही हैं, लेकिन पूरा सिस्टम बेहद ऑर्गनाइज्ड और हाइजीनिक नजर आता है. कोरियाई स्कूल लंच में आमतौर पर चावल या नूडल्स, प्रोटीन (मीट, फिश या चिकन), ताजी सब्जियां और सलाद, किमची और सूप शामिल होते हैं. ⊙

कपल ने जर्सी खोलकर रिवील किया बेटे का नाम

RCB फैन का 'विराट' स्वागत

आईपीएल का जुनून लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है, लेकिन महाराष्ट्र के एक कपल ने तो हद ही पार कर दी.बेटे के नामकरण में ऐसा ट्विस्ट दिया कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया, अब हर कोई यही पूछ रहा है कि आखिर ऐसा क्या किया इस कपल ने?

इंडियन प्रीमियर लीग में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ऐसी टीम मानी जाती है, जिसके फैंस की वफादारी के किस्से हर साल सुनने को मिलते हैं.

भले ही टीम कई बार फैंस की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई हो और आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम कम ही कर सकी हो लेकिन फैंस का प्यार जरा भी कम नहीं हुआ है. इन दिनों आईपीएल का सीजन चल रहा है और देशभर में क्रिकेट का जुनून साफ दिखाई दे रहा है. इसी बीच महाराष्ट्र से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने दिखा दिया कि आरसीबी के फैंस अपने प्यार को किस हद तक ले जा सकते हैं. दरअसल, एक कपल ने अपने बेटे के नामकरण को बिल्कुल अलग अंदाज में मनाया.

आमतौर पर जहां नामकरण में पंडित या परिवार के लोग नाम बताते हैं, वहीं इस कपल ने क्रिकेट का तड़का लगा दिया. आरसीबी फैंस का हौसला इस बार बुलंद है. इस बार भी फैंस को उम्मीद है कि टीम पिछले साल की तरह इस सीजन में भी आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम करेगी.

इंस्टाग्राम पर वायरल इस वीडियो में दिखता है कि फूलों और लाइट्स से सजी स्टेज पर पिता एक जर्सी हाथ में लिए खड़े हैं, जबकि मां बच्चे को गोद में लिए हुए हैं. माहौल बिल्कुल किसी फिल्मी सीन जैसा लग रहा था.जैसे ही जर्सी खोली गई, उस पर लिखा नाम था-विराट. बस फिर क्या था, वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजानी शुरू कर दीं और पूरा माहौल खुशी से गूंज उठा. ये नाम सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के प्रति प्यार और सम्मान का प्रतीक भी था.

सोशल मीडिया पर भी इस वीडियो को खूब पसंद किया जा रहा है. कई यूजर्स ने इसे अब तक का सबसे प्यारा नामकरण बताया, तो कुछ ने इसे क्रिकेट फैनडम की सबसे खूबसूरत मिसाल कहा. इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है, हालांकि हालिया मैच में हार से टीम को थोड़ा झटका जरूर लगा है. 12 अप्रैल 2026 तक टीम ने 3 मैच खेले हैं, जिनमें 2 में जीत और 1 में हार मिली है. ⊙

पहले नौकरी से निकाला, फिर उसी से रिप्लेसमेंट को ट्रेन करवाया

आज के समय में जॉब की दुनिया में स्थिरता और सम्मान दोनों ही बड़ी बातें मानी जाती हैं, लेकिन एक महिला के साथ जो हुआ, उसने वर्कप्लेस कल्चर पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर वायरल हो रही इस पोस्ट में महिला ने बताया कि कंपनी ने उसे यह कहकर नौकरी से निकाल दिया कि 'अब काम नहीं है.' हालांकि कुछ समय बाद उसे पता चला कि उसी रोल के लिए दो नए लोगों को हायर कर लिया गया है. यह बात उसके लिए काफी चौंकाने वाली थी. ⊙

लता-आशा के नाम होगा एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल!

बहनों की याद में हृदयनाथ मंगेशकर का बड़ा फैसला

दिग्गज गायिका आशा भोसले ने 92 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। चार साल पहले आशा भोसले की बड़ी बहन और प्रख्यात गायिका लता मंगेशकर इस दुनिया से चली गईं। दोनों का संगीत जगत में व्यापक योगदान रहा है। दोनों बहनों के निधन के बाद इनके भाई हृदयनाथ मंगेशकर ने अपनी बहनों की याद में हॉस्पिटल का एलान किया है। दिग्गज गायिका बहनों की याद में यह हॉस्पिटल पुणे में बनेगा और एशिया का सबसे बड़ा अस्पताल होगा।हृदयनाथ मंगेशकर के मुताबिक, उनकी मां एवं बड़ी बहन लता मंगेशकर ने गरीबों की सेवा के लिए अस्पताल बनाने का सपना देखा था। उन्होंने बताया कि करीब 25 साल पहले परिवार और डॉक्टरों ने इस अस्पताल को बनाने की पूरी कोशिश की, लेकिन उस समय यह पूरा नहीं हो सका। हृदयनाथ ने कहा कि बाद में परिवार ने फैसला लिया था कि लता मंगेशकर के नाम पर इस हॉस्पिटल को बनाया जाएगा और इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी गई थीं। लता मंगेशकर और आशा भोसले के भाई पंडित हृदयनाथ मंगेशकर ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा कि उनकी कोशिश है कि यह अस्पताल एशिया का सबसे बड़ा हो। हृदयनाथ मंगेशकर ने कहा, 'करीब 25 साल पहले यह फैसला लिया गया था। दीदी (लता मंगेशकर) के गुजरने के बाद हमें लगा कि उनकी सोच से प्रेरित होकर, यह अस्पताल बनाया जाना चाहिए। यह तय हुआ था कि इसका नाम उन्हीं के नाम पर रखा जाएगा और हम उसी के हिसाब से आगे बढ़ने की योजना बना रहे थे। इसका उद्घाटन (मुहूर्त) 16 तारीख को तय था। लेकिन, अचानक, इसी बीच आशा दीदी भी गुजर गईं। इसलिए अब हमने फैसला किया है कि इस अस्पताल का नाम लता मंगेशकर और आशा मंगेशकर दोनों के नाम पर रखा जाएगा'। समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान हृदयनाथ मंगेशकर ने बताया कि उनकी कोशिश यही है कि यह अस्पताल एशिया का सबसे बड़ा हो। हृदयनाथ मंगेशकर ने कहा, 'करीब 25 साल पहले यह फैसला लिया गया था। दीदी (लता मंगेशकर) के गुजरने के बाद हमें लगा कि उनकी सोच से प्रेरित होकर, यह अस्पताल बनाया जाना चाहिए। यह तय हुआ था कि इसका नाम उन्हीं के नाम पर रखा जाएगा और हम उसी के हिसाब से आगे बढ़ने की योजना बना रहे थे। इसका उद्घाटन (मुहूर्त) 16 तारीख को तय था। इसी दौरान अचानक से आशा दीदी का भी निधन हो गया। ऐसे में अब यह निर्णय लिया गया है कि अस्पताल का नाम केवल एक नहीं, बल्कि Lata Mangeshkar और Asha Bhosle दोनों के सम्मान में रखा जाएगा।

सियासी नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

धूमधाम से मनाई गई अंबेडकर जयंती

उत्तर प्रदेश में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।लखनऊ, प्रयागराज समेत कई शहरों में राजनीतिक नेताओं ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी।अखिलेश यादव, मायावती और भाजपा नेताओं ने अलग-अलग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।इस अवसर पर भंडारे, पूजा और सामाजिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उत्तर प्रदेश में भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 135वीं जयंती पूरे श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। राजधानी लखनऊ से लेकर प्रयागराज तक विभिन्न स्थानों पर राजनीतिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें प्रमुख नेताओं ने बाबा साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की।लखनऊ में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान उनके गले में पहना नीले रंग का गमछा लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा, जो सामाजिक न्याय और बहुजन प्रतीकों से जुड़ा माना जाता है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद अखिलेश यादव सदर क्षेत्र स्थित एक गुरुद्वारे में बैसाखी के अवसर पर शामिल होने के लिए रवाना हुए।रास्ते में उन्होंने एक भंडारे को देखकर अपना काफिला रुकवाया। वहां चल रहे भंडारे में उन्होंने प्रसाद ग्रहण किया, जिसमें पूड़ी-सब्जी और छोले-चावल शामिल थे। उनका यह सादा व्यवहार लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। भंडारे में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जहां सामाजिक एकता और सेवा भाव का संदेश भी देखने को मिला।इसी बीच प्रयागराज में भारतीय जनता पार्टी के विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह ने भी अंबेडकर जयंती पर विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उन्होंने बाबा साहब की प्रतिमा को पहले पानी से नहलाया, फिर तौलिए से साफ कर श्रद्धा भाव से पोछा। इसके बाद उन्होंने प्रतिमा पर फूल-माला अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान स्थानीय कार्यकर्ता और समर्थक भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।इससे पहले लखनऊ में बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने भी सुबह 8 बजे एक पार्क में आयोजित कार्यक्रम में बाबा साहब को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने डॉ. आंबेडकर की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर भी अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और बाबा साहब के योगदान को याद किया।पूरे उत्तर प्रदेश में अंबेडकर जयंती के अवसर पर जगह-जगह कार्यक्रम, रैलियां और भंडारे आयोजित किए गए। राजनीतिक दलों के नेताओं ने अलग-अलग तरीकों से बाबा साहब को याद किया और उनके विचारों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। सामाजिक न्याय, समानता और संविधान की मूल भावना को लेकर कई स्थानों पर चर्चाएं भी हुईं।इस अवसर पर राज्यभर में सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही और प्रशासन ने सभी प्रमुख आयोजनों पर नजर बनाए रखी। कुल मिलाकर अंबेडकर जयंती का यह दिन उत्तर प्रदेश में श्रद्धा, राजनीति और सामाजिक संदेशों के मेल के रूप में देखा गया।

लखनऊ में अनफिट स्कूल वाहनों पर सख्ती, अब सीधे होगा सीज

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ की सड़कों पर स्कूली बच्चों की सुरक्षा से समझौता करने वाले अनफिट वाहनों के खिलाफ परिवहन विभाग अब बड़े स्तर पर अभियान चलाने जा रहा है। विभाग ने साफ कर दिया है कि मानकों के विपरीत चल रहे वाहनों को अब बख्शा नहीं जाएगा और मौके पर ही सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश एकीकृत स्कूल वाहन प्रबंधन पोर्टल पर स्कूलों और वाहनों का डेटा तेजी से अपडेट किया जा रहा है। अगले एक सप्ताह में यह प्रक्रिया पूरी होते ही प्रवर्तन टीमें सक्रिय हो जाएंगी और स्कूलों के बाहर चेकिंग अभियान चलाया जाएगा। आरटीओ कार्यालय के आंकड़ों के मुताबिक, लखनऊ में करीब 530 स्कूली वाहन ऐसे हैं जो अनफिट श्रेणी में आ चुके हैं। इससे पहले जनवरी में चले अभियान के दौरान 300 वाहनों की जांच हुई थी, लेकिन सिर्फ 31 पर ही चालान की कार्रवाई हुई थी। इस बार विभाग ज्यादा सख्त रुख अपनाने की तैयारी में है। अब तक पार्किंग (होल्डिंग एरिया) की कमी के कारण अनफिट वाहनों को केवल जुर्माना लगाकर छोड़ दिया जाता था, लेकिन अब यह स्थिति बदलने वाली है। परिवहन विभाग ने साफ किया है कि इस बार नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को सीधे सीज किया जाएगा।

अंबेडकर जयंती पर बंथरा में बवाल

माल्यार्पण को लेकर भिड़े दो पक्ष

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के बंथरा क्षेत्र स्थित अंबेडकर नगर में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर उस समय तनाव फैल गया, जब प्रतिमा पर माल्यार्पण को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। मंगलवार को हुई इस घटना में मारपीट, ईंट-पत्थरबाजी और हवाई फायरिंग तक की नौबत आ गई, जिसमें कई लोग घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बंथरा नगर पंचायत के चेयरमैन प्रतिनिधि रंजीत रावत अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने उनसे बुद्ध वंदना के बाद माल्यार्पण करने का आग्रह किया। हालांकि, प्रतिनिधि ने तुरंत ही माल्यार्पण कर दिया, जिससे विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई।इस बात को लेकर स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए और दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते यह विवाद बढ़ गया और गाली-गलौज के बाद दोनों ओर से ईंट-पत्थर चलने लगे। हालात उस समय और बिगड़ गए जब नगर पंचायत प्रतिनिधि के साथ आए कुछ युवकों ने भी जवाब में पत्थरबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों की संख्या अधिक होने के कारण खुद को घिरा देख प्रतिनिधि पक्ष की ओर से किसी ने हवाई फायरिंग कर दी। इससे माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया और दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडों, सरिया और घूंसे-लातों से जमकर मारपीट हुई।

लखनऊ में करंट से मौत

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया युवक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के गुडंबा क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। मृतक की पहचान सेक्टर जे निवासी 34 वर्षीय श्यामू के रूप में हुई है। घटना के विरोध में परिजनों ने किसान यूनियन के साथ मिलकर श्मशान घाट के पास प्रदर्शन किया और मुआवजे की मांग उठाई। जानकारी के अनुसार, श्यामू सरोजनीनगर क्षेत्र में एक शादी समारोह में काम कर रहे थे, तभी वे 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। हादसे में वे गंभीर रूप से झुलस गए और बाद में उनकी मौत हो गई। घटना सोमवार (13 अप्रैल) की बताई जा रही है। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। गुस्साए परिजनों ने किसान यूनियन के साथ मिलकर श्मशान घाट के पास प्रदर्शन शुरू कर दिया। उनका कहना था कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए और इस हादसे के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हो। प्रदर्शन के दौरान कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई। सूचना मिलते ही गुडंबा थाने के इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में रखा गया है और प्रशासन द्वारा मामले की जांच की जा रही है।इस बीच, बिजली विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम भी मौके पर पहुंची और परिजनों से बातचीत की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा दिया है, हालांकि परिजनों ने अभी अंतिम संस्कार नहीं किया है और मुआवजे की मांग पर अड़े हुए हैं। यह घटना क्षेत्र में बिजली सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से मांग की है कि भविष्य में ऐसे हादसों को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं।

LDA का बड़ा फैसला

अब उसी गांव में मिलेगा विकसित प्लॉट

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की बहुप्रतीक्षित आईटी सिटी योजना को गति देने के लिए अहम फैसला लिया गया है। अब 10 एकड़ से अधिक जमीन देने वाले भू-स्वामियों को उसी गांव में विकसित प्लॉट आवंटित किया जाएगा, जहां उनकी मूल जमीन स्थित है। इससे पहले यह व्यवस्था नहीं थी और प्लॉट का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाता था, जिससे बड़े निवेशकों और बिल्डरों में असंतोष था।एलडीए सुल्तानपुर रोड पर किसान पथ के किनारे करीब 1054 एकड़ क्षेत्र में आईटी सिटी विकसित कर रहा है। इस योजना में बक्कास, सिकंदरपुर अमोलिया, सिद्धपुरा, परेहटा, रकीबाबाद, मोहारी खुर्द, मोहारी कला, खुजौली, भटवारा, सोनई कंजेहरा और पहाड़ नगर टिकरिया जैसे कई गांव शामिल हैं। अब तक लगभग 234 हेक्टेयर भूमि लैंडपूलिंग के तहत ली जा चुकी है, जबकि करीब 800 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण अभी शेष है।शासन स्तर से इस परियोजना को जल्द पूरा करने का दबाव लगातार बना हुआ है। इसी को ध्यान में रखते हुए एलडीए ने लैंडपूलिंग नीति में संशोधन किया है। दरअसल, कई बड़े भू-स्वामी अपनी जमीन देने से इसलिए पीछे हट रहे थे क्योंकि उन्हें अपनी ही लोकेशन पर विकसित प्लॉट मिलने की गारंटी नहीं थी।

SGPGI ने रचा इतिहास, लखनऊ में पहला सफल हार्ट ट्रांसप्लांट

संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान ने हार्ट ट्रांसप्लांट कर इतिहास रच दिया है। यह न केवल संस्थान बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश का पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण माना जा रहा है। सोमवार को हुई इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया। सर्जरी टीम का नेतृत्व कर रहे प्रो. एसके अग्रवाल ने बताया कि ऑपरेशन सफल रहा है और मरीज की हालत स्थिर है। उम्मीद है कि उसे एक सप्ताह के भीतर अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। जानकारी के अनुसार, SGPGI ने पिछले वर्ष ही हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं विकसित कर ली थीं। हालांकि, पिछले दो वर्षों से उपयुक्त डोनर का इंतजार किया जा रहा था। शुक्रवार को दिल्ली में एक व्यक्ति को ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद उसके परिजनों ने अंगदान का निर्णय लिया। इसके बाद सीतापुर निवासी 41 वर्षीय महिला को तत्काल लखनऊ बुलाकर भर्ती किया गया और ट्रांसप्लांट की तैयारी शुरू की गई।सोमवार को डोनर का हृदय एयर एंबुलेंस के जरिए दिल्ली से लखनऊ लाया गया। इसके लिए विशेष ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, ताकि अंग को समय पर सुरक्षित तरीके से अस्पताल तक पहुंचाया जा सके। इसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने कई घंटों तक चली सर्जरी कर सफलतापूर्वक हृदय प्रत्यारोपण किया।संस्थान के निदेशक प्रो. आरके धीमन ने इसे प्रदेश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि अब गंभीर हृदय रोगियों को इलाज के लिए राज्य से बाहर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इस उपलब्धि पर योगी आदित्यनाथ, आनंदीबेन पटेल और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक समेत कई नेताओं ने संस्थान को बधाई दी। मरीज को डायलेटेड कार्डियोमायोपैथी नामक गंभीर हृदय रोग था, जिसमें हृदय शरीर को पर्याप्त रक्त पंप नहीं कर पाता। लगातार थकान, सांस फूलना और सीने में भारीपन जैसी समस्याओं के कारण उसकी स्थिति गंभीर हो गई थी। डॉक्टरों के अनुसार, ऐसे मामलों में हृदय प्रत्यारोपण ही अंतिम विकल्प होता है।

उन्नाव में बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर निकली

भव्य भीम शोभायात्रा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर भव्य भीम शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें जिले भर से सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने पूरे शहर को उत्सव के रंग में रंग दिया। जगह-जगह आकर्षक स्वागत द्वार बनाए गए और पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा की शुरुआत बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। इस मौके पर जिलाधिकारी गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। दोनों अधिकारियों ने बाबा साहेब के विचारों को अपनाने और समाज में समरसता बनाए रखने का संदेश दिया। यात्रा में शामिल झांकियों ने बाबा साहेब के जीवन, उनके संघर्ष, संविधान निर्माण में उनके योगदान और सामाजिक सुधारों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। इन झांकियों ने दर्शकों को आकर्षित किया और लोगों को उनके विचारों से जोड़ने का कार्य किया। विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम को और अधिक प्रभावशाली बनाया। शोभायात्रा के दौरान ढोल-नगाड़ों की थाप पर युवा झूमते नजर आए। प्रतिभागियों के हाथों में झंडे और पोस्टर थे, जबकि "जय भीम" और "बाबा साहेब अमर रहें" जैसे नारों से पूरा वातावरण

गूंज उठा। यह आयोजन न केवल श्रद्धा का प्रतीक था, बल्कि सामाजिक एकता और जागरूकता का संदेश भी दे रहा था।यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होकर विभिन्न इलाकों में पहुंची, जहां स्थानीय लोगों ने पानी, शरबत और अन्य व्यवस्थाओं के साथ प्रतिभागियों का स्वागत किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की सतत निगरानी में यह आयोजन शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने अपने संबोधन में कहा कि बाबा साहेब केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक भी थे। उन्होंने जीवन भर समानता, शिक्षा और न्याय के लिए संघर्ष किया, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वहीं पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह ने कहा कि समाज में एकता, भाईचारा और समानता बनाए रखने के लिए बाबा साहेब के विचार अत्यंत प्रासंगिक हैं। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल हुए। जगह-जगह युवा सेल्फी लेते नजर आए, जबकि बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक समरसता और एकजुटता का संदेश प्रमुख रूप से दिखाई दिया। इसी क्रम में अग्निशमन तथा आपात सेवा विभाग, उन्नाव द्वारा भी विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल मिलाकर, यह आयोजन न केवल श्रद्धांजलि का प्रतीक बना, बल्कि समाज में समानता, एकता और जागरूकता का संदेश भी प्रभावी ढंग से प्रसारित करने में सफल रहा।

निदेशक ऋतु सुहास ने कचरा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था का किया निरीक्षण

उन्नाव के शुक्लागंज स्थित आनंद घाट पर मंगलवार दोपहर नगरीय निकाय निदेशक ऋतु सुहास ने व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने एमआरएफ (मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर और घाट परिसर की साफ-सफाई, कचरा प्रबंधन सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निदेशक ऋतु सुहास ने एमआरएफ सेंटर में कचरे के पृथक्करण, पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) और निस्तारण प्रक्रियाओं का विस्तार से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों से सूखे और गीले कचरे के अलग-अलग संग्रहण तथा उसके अंतिम निस्तारण की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। निदेशक ने कचरा प्रबंधन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए, ताकि शहर को स्वच्छ रखने में बेहतर परिणाम मिल सकें। आनंद घाट पर उन्होंने सफाई व्यवस्था, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था और आमजन की सुविधाओं का भी जायजा लिया। निदेशक ने सफाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं। उन्होंने अधिकारियों को नियमित सफाई अभियान चलाने और पर्याप्त डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

फसल कटाई प्रयोग किया गया

आपदा से हुए नुकसान का हो रहा आकलन

उन्नाव जनपद में किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से हुए नुकसान का सही आकलन कर राहत दिलाने के उद्देश्य से फसल कटाई प्रयोग (क्रॉप कटिंग) का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी गौरांग राठी की उपस्थिति में ख्वाजागीपुर ग्राम सभा में किसान विजय अग्निहोत्री के खेत (गाटा संख्या 2642) पर फसल कटाई प्रयोग किया गया। इस प्रयोग के दौरान लगभग 43.3 वर्ग फीट क्षेत्रफल में खड़ी फसल की कटाई की गई और उससे प्राप्त अनाज की तौल की गई। इस प्रक्रिया के माध्यम से वास्तविक उत्पादन का आकलन किया जाता है, जिससे फसल को हुए नुकसान का प्रतिशत निर्धारित हो सके। प्रशासन के अनुसार, निर्धारित मानकों के तहत इस क्षेत्रफल में लगभग 14 किलोग्राम उत्पादन को सामान्य माना जाता है। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल कटाई प्रयोग पूरी पारदर्शिता और सटीकता के साथ किया जाए। उन्होंने जोर दिया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि किसानों को उनकी वास्तविक क्षति के अनुसार मुआवजा मिल सके। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को राहत दिलाने के लिए यह प्रक्रिया अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, जनपद में लगभग 50 हजार किसान बीमित हैं। हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण करीब 1700 किसानों ने फसल नुकसान की सूचना दी है। जांच में इनमें से लगभग 1300 किसान बीमा योजना के अंतर्गत पात्र पाए गए हैं, जबकि शेष किसानों का बीमा नहीं मिला है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि पिछले खरीफ सीजन में धान की फसल को हुए नुकसान के चलते इसी योजना के अंतर्गत करीब 2 करोड़ 45 लाख रुपये की क्षतिपूर्ति किसानों को वितरित की गई थी। यह दर्शाता है कि शासन किसानों को राहत देने के लिए गंभीरता से कार्य कर रहा है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे समय से अपनी फसल का बीमा अवश्य कराएं और किसी भी प्रकार के नुकसान की सूचना तत्काल संबंधित अधिकारियों को दें, ताकि उन्हें योजना का लाभ मिल सके। इस अवसर पर कृषि विभाग के अधिकारी, राजस्व टीम और स्थानीय किसान मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा किए जा रहे इस फसल कटाई प्रयोग से किसानों में उम्मीद जगी है कि उन्हें उनकी वास्तविक क्षति के अनुसार उचित मुआवजा मिल सकेगा।

अचलगंज में लाइन में लगे उपभोक्ताओं को नहीं मिली गैस

अचलगंज स्थित भारत गैस एजेंसी पर सिलिंडर लेने के लिए सुबह सात बजे से ही लोग पहुंच गए थे। गैस लेने के लिए यहां पर सैकड़ों लोगों की भीड़ थी। लोगों की लाइन सड़क तक पहुंच गई थी। शाम चार बजे तक वितरण हुआ। इसके बाद सिलिंडर खत्म होने की जानकारी दी गई तो लाइन में लगे 150 लोग मायूस होकर लौट गए। उधर, एजेंसी प्रबंधक मोहित दीक्षित ने बताया कि 200 सिलिंडर की आपूर्ति हुई थी। जबकि 350 लोगों को वितरण की डेट दी गई थी। सिलिंडर कम आने से सभी को गैस उपलब्ध नहीं हो पाई। अगले दिन इन लोगों को प्राथमिकता दी जाएगी। कई बार आपूर्ति मिल नहीं पाती तो उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ जाती है। उपभोक्ता राजनरायन ने बताया कि सिलिंडर मिलने की आज की तारीख दी गई थी। सुबह ही लाइन में लग गए थे। शाम चार बजे पता चला कि गैस खत्म हो गई है। अब खाली सिलिंडर लेकर घर वापस जा रहे हैं। कमलेश ने भी बताया कि 13 अप्रैल की तारीख दी गई थी लेकिन आने के बाद पता चला कि आज नहीं मिल पाएगी। अब फिर मंगलवार को बुलाया है। सोमवार को पूरा दिन बर्बाद गया। मंगलवार को गैस मिल पाएगी, इसको लेकर भी अभी संशय है। कस्बा स्थित भारत गैस एजेंसी में सिलिंडर न आने से 190 लोग लौट गए। उपभोक्ताओं में राम सनेही, बिमला, बिनीता, राजू, मतोले व काशी ने बताया कि गैस लेने आए थे लेकिन लोड न आने की नोटिस चस्पा था जबकि बुकिंग पहले की है फिर भी सिलिंडर नहीं मिल पा रहा है।एजेंसी संचालक विजय कुमार ने बताया कि सिलिंडर न आने से वितरण नहीं हो सका।

भारत रत्न डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में

जिलाधिकरी अतुल वत्स की अध्यक्षता में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया

भारत रत्न डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकरी अतुल वत्स, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 डा0 बसंत अग्रवाल तथा कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी के छवि चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्वा पूर्वक नमन किया।

भारत रत्न डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी की 135 वीं जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम के मौके पर जिलाधिकरी अतुल वत्स, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 डा0 बसंत अग्रवाल, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट लवगीत कौर सहित अन्य उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों ने डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी के छवि चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा पूर्वक नमन किया। जिलाधिकारी ने डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी को श्रद्धापूर्वक नमन करने के साथ ही उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को आंबेडकर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संविधान तभी प्रभावी और श्रेष्ठ सिद्ध होगा, जब संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं उत्तरदायित्व के साथ करेंगे। उन्होंने सभी से अपेक्षा की कि वे अपने-अपने दायित्वों को गंभीरता से निभाते हुए संविधान की गरिमा को बनाए रखें। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा जन्म से मंदबुद्धि नहीं होता, बल्कि उसकी पहचान और सफलता उसकी मेहनत, लगन एवं सतत प्रयासों से निर्धारित होती है। यदि व्यक्ति सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करता है, तो वह जीवन में कभी पीछे नहीं रहता। जिलाधिकारी ने कहा कि हमें अपने दैनिक कार्यों की पूर्व योजना बनानी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आज हमें कौन-कौन से कार्य पूर्ण करने हैं। उन्होंने प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन लंबा होने से अधिक महत्वपूर्ण उसका महान होना है, और इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मों में उत्कृष्टता लानी होगी। उन्होंने कहा कि आंबेडकर जी के जीवन से हम सबको कुछ न कुछ अवश्य सीखना चाहिए और प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए कि हम जीवन में क्या बनेंगे। अपनी जिम्मेदारी और दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा के साथ करते हुए अपना व अपने परिवार और राष्ट्र के भाग्य के निर्माण में अहम योगदान दे सकें। उन्होनें कहा कि सामाजिक न्याय की अवधारणा को मजबूत कर वंचित तबके के बदलाव और हक की लड़ाई लड़ने वाले बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का सामाजिक परिवर्तन में अमूल्य योगदान रहा है। जयंती पर उनके सामाजिक बदलाव के सपने को पूरा करने के लिए संकल्प लेने की जरूरत है। उनके विचारों को आगे ले कर जाना और कमजोर वर्ग के लोगों की मदद कर उनके सपनों को पूरा करने में अपना अहम योगदान दें। उन्होंने कहा कि आंबेडकर जी की संविधान निर्माण में अहम भूमिका थी। उन्होंने शोषित, कमजोर वर्ग, वंचित, दलित, आर्थिक रूप से कमजोर एवं महिलाओं के उत्थान के लिए हमेशा कार्य किया है और शिक्षा पर विशेष रूप से जोर दिया। डा0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी का कहना था कि "शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो"। उन्होंने कहा कि डा0 बी0आर0 आंबेडकर जी के योगदान को जितना सराहा जाए उतना कम है। हम सब मिलकर उनके विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे, बाबा साहब के विचारों को न केवल याद रखें, बल्कि अपने जीवन में आत्मसात करें। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त, समान और समावेशी समाज का निर्माण कर सकते हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी, कलेक्ट्रेट बार एसोशिएशन के सेकेट्री दीपक पचौरी, जिलाधिकारी पेशकार प्रताप चौधरी, कल्पना शर्मा, स्नेह लता तथा अन्य उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने-अपने विचार व्यक्त करने के साथ ही डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी को उनकी जयंती के अवसर पर शत-शत नमन कर कहा कि उनका जीवन एक प्रेरणा का श्रोत है। एक ऐसा जीवन, जिसमें कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। शिक्षा को अपना हथियार बनाकर उन्होंने समाज में समानता, न्याय और मानवाधिकारों के लिए संघर्ष किया। वे हमारे संविधान निर्माता थे, जिन्होंने एक ऐसा संविधान तैयार किया जिसमें हर नागरिक को समान अधिकार मिले। कार्यक्रम के दौरान डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के जीवन परिचय पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। उपस्थित समस्त अधिकारियों/कर्मचारीयों ने देखा और सुना। कार्यक्रम का संचालन मोनिका गौतम द्वारा किया गया। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त राजस्व, प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट, जिला सूचना अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला सैनिक कल्याण बोर्ड अधिकारी, ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर तथा कलेक्ट्रेट परिसर में संचालित विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों ने डॉ0 भीमराव रामजी आंबेडकर जी के छवि चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा पूर्वक नमन किया।

गाजियाबाद की सोसायटी चुनावों में बढ़ा सियासी रंग

गाजियाबाद में हाउसिंग सोसायटियों के भीतर होने वाले रेजिडेंट वेलफेयर असोसिएशन (R W A) और अपार्टमेंट ओनर्स असोसिएशन (AOA) के चुनाव अब केवल प्रबंधन चुनने तक सीमित नहीं रहे हैं। ये चुनाव अब नगर निगम और विधानसभा चुनावों की तरह हाई-वोल्टेज मुकाबले में बदलते जा रहे हैं, जहां गुटबाजी, धनबल और सोशल मीडिया प्रचार प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। राजनगर एक्सटेंशन से लेकर इंदिरापुरम तक कई सोसायटियों में चुनावी माहौल बेहद गर्म है, जिसका असर स्थानीय निवासियों के आपसी संबंधों पर भी दिखाई दे रहा है। डिप्टी रजिस्ट्रार वैभव अग्रवाल के अनुसार, AOA चुनाव कराना अब बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य बन चुका है। कई बार कार्यकारी समितियां मतदाता सूची समय पर उपलब्ध नहीं करातीं, जबकि विपक्षी गुट प्रक्रिया में बाधा डालते हैं, जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो जाती है। कई मामलों में विवाद इतना बढ़ जाता है कि पुलिस हस्तक्षेप और FIR तक की नौबत आ जाती है। राजनगर एक्सटेंशन के एक निवासी के अनुसार, वॉट्सऐप ग्रुप्स में पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस होती है, जिससे वास्तविक मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। वहीं, इंदिरापुरम के कुछ निवासियों का कहना है कि कई लोग AOA चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए अपनी अच्छी-खासी नौकरियां तक छोड़ देते हैं, जिससे इन पदों के महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। सोशल मीडिया अब इन चुनावों का सबसे बड़ा हथियार बन गया है। वॉट्सऐप ग्रुप्स, वीडियो, पोस्टर और ऑडियो संदेशों के जरिए प्रचार अभियान चलाए जा रहे हैं।

नोएडा में लगातार दूसरे दिन श्रमिकों का उग्रप्रदर्शन, तनाव बढ़ा

नोएडा में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन श्रमिकों के उग्र प्रदर्शन की स्थिति देखने को मिली। हालांकि इस दिन कई कंपनियों के बंद रहने के कारण प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम स्तर पर रहा, लेकिन सुबह से ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में दिखाई दिया। संभावित हिंसा और प्रदर्शन को देखते हुए शहर के विभिन्न इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात किया गया।नोएडा के फेज-2 थाना क्षेत्र में एक बार फिर हालात तनावपूर्ण हो गए। सोमवार की तरह इस बार भी प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरकर उपद्रव करने की कोशिश की। कुछ स्थानों पर ईंट-पत्थर चलाने की घटनाएं सामने आईं, जिससे आम लोगों में दहशत फैल गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभाला और प्रदर्शनकारियों को घेरकर उन्हें घर लौटने का निर्देश दिया।सेक्टर-70 क्षेत्र से भी प्रदर्शन की तस्वीरें सामने आईं, जहां कथित श्रमिकों ने वाहनों और पुलिस टीम को निशाना बनाने का प्रयास किया। अचानक सड़क पर आए प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी, जिससे अफरातफरी मच गई। इस दौरान पुलिसकर्मी भी चोटिल हुए, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।पुलिस के अनुसार, प्रदर्शनकारी समूहों में अचानक सड़कों पर आकर पत्थरबाजी कर रहे हैं, जिससे स्थिति को नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण हो गया है। प्रशासन लगातार लोगों से अपील कर रहा है कि वे घरों में ही रहें और किसी भी प्रकार की भीड़ न लगाएं। इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है और वरिष्ठ अधिकारी भी लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। प्रदर्शनकारियों को श्रमिक बताया जा रहा है, जो वेतन वृद्धि की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। हालांकि प्रशासन का कहना है कि सरकार द्वारा अंतरिम राहत के तहत वेतन वृद्धि की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, इसके बावजूद प्रदर्शन और आक्रोश जारी है।

बदायूं-दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस की टाइमिंग पर उठे सवाल, यात्रियों को हो रही परेशानी

बदायूं से दिल्ली के बीच शुरू की गई सीधी इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन से बेहतर कनेक्टिविटी की उम्मीद जताई जा रही थी, लेकिन इसकी समय-सारिणी ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सुबह 3:45 बजे चलने वाली इस ट्रेन को लेकर स्थानीय लोगों में असंतोष देखा जा रहा है।यात्रियों का कहना है कि इतनी सुबह ट्रेन पकड़ना ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों के लोगों के लिए लगभग असंभव है। खासकर जिन लोगों को गांवों या छोटे कस्बों से स्टेशन तक पहुंचना होता है, उनके लिए यह समय बेहद असुविधाजनक साबित हो रहा है। रात के अंतिम पहर में यात्रा शुरू करना सुरक्षा और परिवहन दोनों दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है।बदायूं जिले के बिसौली क्षेत्र के यात्रियों को इस नई ट्रेन से खास राहत नहीं मिल पा रही है। उन्हें समय पर बदायूं स्टेशन पहुंचना मुश्किल हो रहा है, जिसके चलते कई लोग अब भी वैकल्पिक मार्गों का सहारा ले रहे हैं। यात्री संभल जिले के चंदौसी या बदायूं जिले के दबतोरा रेलवे स्टेशन जाकर बरेली रूट की ट्रेनों का उपयोग करने को मजबूर हैं। इससे उनका समय और धन दोनों अधिक खर्च हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ट्रेन का समय अधिक व्यावहारिक होता, तो इसका लाभ बड़ी संख्या में यात्रियों को मिल सकता था। वर्तमान समय-सारिणी के कारण इस सुविधा का दायरा सीमित रह गया है। परिणामस्वरूप, रोडवेज बसें अब भी यात्रियों की पहली पसंद बनी हुई हैं, क्योंकि वे अधिक सुलभ और समय के अनुकूल मानी जाती हैं।